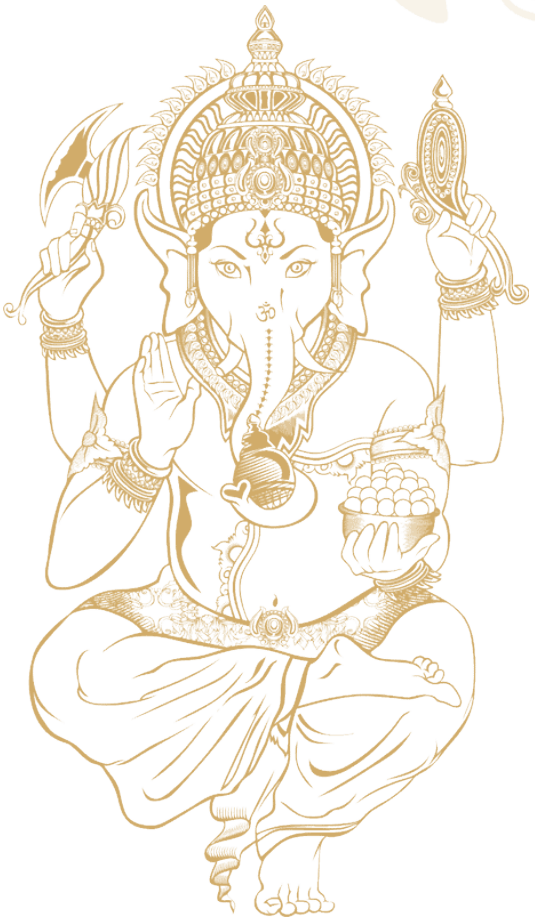

Mr.?????

01 Aug 1985

05:25 PM

Calicut

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 119157319

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/08/1985**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:25:00 घंटे**
इष्ट	27:55:08 घटी
स्थान	**Calicut**
राज्य	Kerala
देश	India

अक्षांश	11:15:00 उत्तर
रेखांश	75:46:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:58:04 घंटे
वेलान्तर	-00:06:18 घंटे
साम्पातिक काल	13:38:13 घंटे
सूर्योदय	06:14:56 घंटे
सूर्यास्त	18:51:17 घंटे
दिनमान	12:36:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:31:03 कर्क
लग्न के अंश	24:43:10 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	आयुष्मान
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	24:43:10	347:49:36	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
सूर्य			कर्क	15:31:03	00:57:23	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मक	22:52:33	13:16:40	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	11:04:28	00:38:38	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध	व	अ	सिंह	00:49:01	00:22:40	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		मक	18:46:03	00:07:46	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			मिथु	05:20:16	01:08:20	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
शनि			तुला	27:51:04	00:00:39	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		मेष	20:31:09	00:12:31	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	20:31:09	00:12:31	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	20:30:10	00:01:03	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप	व		धनु	07:38:14	00:01:11	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो			तुला	08:23:15	00:00:41	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			तुला	02:49:04	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:10

लग्न-चलित

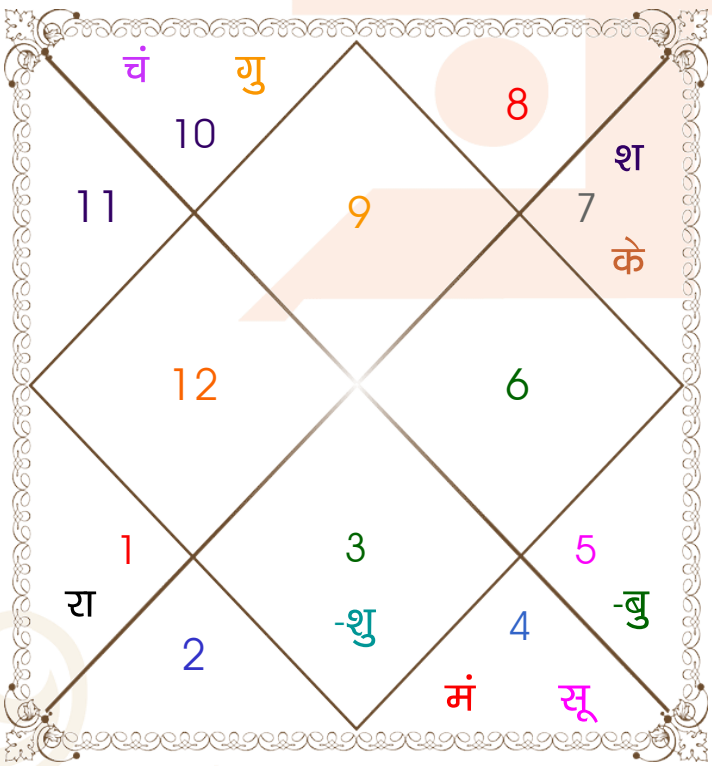

चन्द्र कुंडली

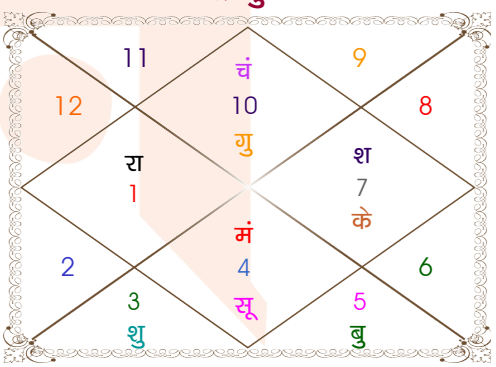

नवमांश कुंडली

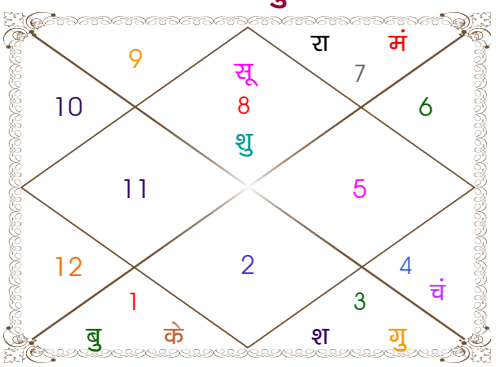

वैदिक ज्योतिष केंद्र
लक्ष्मण झूला रोड ऋषिकेश उत्तराखंड
7380749082 / 9105387512
kprafull922@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 4 मास 3 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/08/1985		05/12/1985		04/12/1992		05/12/2010		05/12/2026	
05/12/1985		04/12/1992		05/12/2010		05/12/2026		05/12/2045	
	00/00/0000	मंगल	03/05/1986	राहु	17/08/1995	गुरु	22/01/2013	शनि	08/12/2029
	00/00/0000	राहु	21/05/1987	गुरु	10/01/1998	शनि	05/08/2015	बुध	17/08/2032
	00/00/0000	गुरु	26/04/1988	शनि	16/11/2000	बुध	10/11/2017	केतु	26/09/2033
	00/00/0000	शनि	05/06/1989	बुध	05/06/2003	केतु	17/10/2018	शुक्र	25/11/2036
	00/00/0000	बुध	02/06/1990	केतु	23/06/2004	शुक्र	17/06/2021	सूर्य	07/11/2037
	00/00/0000	केतु	29/10/1990	शुक्र	24/06/2007	सूर्य	05/04/2022	चंद्र	08/06/2039
	00/00/0000	शुक्र	29/12/1991	सूर्य	17/05/2008	चंद्र	05/08/2023	मंगल	17/07/2040
	01/08/1985	सूर्य	05/05/1992	चंद्र	16/11/2009	मंगल	11/07/2024	राहु	24/05/2043
सूर्य	05/12/1985	चंद्र	04/12/1992	मंगल	05/12/2010	राहु	05/12/2026	गुरु	05/12/2045

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/12/2045		05/12/2062		05/12/2069		05/12/2089		05/12/2095	
05/12/2062		05/12/2069		05/12/2089		05/12/2095		02/08/2105	
बुध	02/05/2048	केतु	03/05/2063	शुक्र	05/04/2073	सूर्य	24/03/2090	चंद्र	04/10/2096
केतु	29/04/2049	शुक्र	02/07/2064	सूर्य	05/04/2074	चंद्र	23/09/2090	मंगल	05/05/2097
शुक्र	28/02/2052	सूर्य	07/11/2064	चंद्र	05/12/2075	मंगल	29/01/2091	राहु	04/11/2098
सूर्य	04/01/2053	चंद्र	08/06/2065	मंगल	03/02/2077	राहु	23/12/2091	गुरु	06/03/2100
चंद्र	05/06/2054	मंगल	04/11/2065	राहु	04/02/2080	गुरु	10/10/2092	शनि	06/10/2101
मंगल	02/06/2055	राहु	23/11/2066	गुरु	05/10/2082	शनि	22/09/2093	बुध	07/03/2103
राहु	20/12/2057	गुरु	29/10/2067	शनि	05/12/2085	बुध	30/07/2094	केतु	06/10/2103
गुरु	27/03/2060	शनि	07/12/2068	बुध	04/10/2088	केतु	05/12/2094	शुक्र	06/06/2105
शनि	05/12/2062	बुध	05/12/2069	केतु	05/12/2089	शुक्र	05/12/2095	सूर्य	02/08/2105

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 4 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते है कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक

संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।